संख्या-85/2026/671/सैंतीस-2-2026/001-1(35)/2014टीसी1

प्रेषक,

रवीन्द्र प्रताप सिंह,
संयुक्त सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,
(अंकित विवरणानुसार),
पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-28 मार्च, 2026

विषयः- **आर.आई.डी.एफ.-30 में नाबार्ड द्वारा अनुमोदित पशुचिकित्सालयों के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 के पत्र सं0-329/सा0-1/एक्स-120(188)/आर.आई.डी.एफ.-30/2024-25, दिनांक-24.03.2026 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-08-पशु चिकित्सालयों का निर्माण-आर.आई.डी.एफ. (जि.यो.)-24-वृहत् निर्माण कार्य में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष आर.आई.डी.एफ.-30 में नाबार्ड द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित 48 पशुचिकित्सालयों के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु कुल रू0-483.328 लाख (रूपये चार करोड़ तिरासी लाख बत्तीस हजार आठ सौ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैंः-

क्र0	जनपद का नाम	पशुचिकित्सालय का नाम	स्वीकृत धनराशि लाख में
1	अमेठी	तिलोई	9.866
2	औरैया	सहार	9.866
3	अयोध्या	रूदौली	9.866
4	बलिया	बांसडीह रोड	9.866
5	बलिया	सिकन्दरपुर	9.866
6	बलरामपुर	उतरौला	9.866
7	बाराबंकी	पूरे डलई	9.866
8	बरेली	फतेहगंज पूर्वी	9.866
9	बहराइच	खैरा बाजार	10.110
10	बहराइच	तेजवापुर	10.110
11	बुलन्दशहर	औरंगापुर मीरपुर	10.110
12	बुलन्दशहर	गुलावटी	10.110
13	बुलन्दशहर	लखावटी	10.110

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

14	बुलन्दशहर	मोहरसा	10.110
15	बुलन्दशहर	मुरसाना	10.110
16	इटावा	बकेवर	10.110
17	इटावा	धनुवा खेड़ा	10.110
18	फतेहपुर	अमौली	10.110
19	फर्रूखाबाद	बड़पुर	10.110
20	फर्रूखाबाद	फैजबाग	10.110
21	फर्रूखाबाद	फतेहगढ़	10.110
22	गौतमबुद्धनगर	दादरी	10.110
23	गौतमबुद्धनगर	खेड़ी भनौता	10.110
24	गौतमबुद्धनगर	मायचा	10.110
25	गाजीपुर	मरदह	10.110
26	गाजीपुर	मिर्जापुर	10.110
27	गाजीपुर	मोहम्मदाबाद	10.110
28	गाजीपुर	परसनी	10.110
29	हमीरपुर	सदर	10.110
30	हरदोई	सवायजपुर	10.110
31	हरदोई	सुरसा	10.110
32	कन्नौज	छिबरामऊ	10.110
33	कन्नौज	जलालाबाद	10.110
34	कौशाम्बी	नेवादा	10.110
35	कौशाम्बी	सिराथू	10.110
36	मेरठ	दौराला	10.110
37	मेरठ	परतापुर	10.110
38	मुरादाबाद	मूंढापाण्डे	10.110
39	मुजफ्फरनगर	बुढाना	10.110
40	प्रयागराज	मेजाखास	10.110
41	रायबरेली	सोहवल	10.110
42	रामपुर	पनवड़िया	10.110
43	रामपुर	पटवई	10.110
44	संतकबीरनगर	मेंहदावल	10.110
45	शामली	कण्डेला	10.110
46	सुल्तानपुर	हलियापुर	10.110
47	सुल्तानपुर	करौन्दीकला	10.110
48	उन्नाव	औरास	10.110

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

योग-	483.328

(रूपये चार करोड़ तिरासी लाख बत्तीस हजार आठ सौ मात्र)

(1) प्रश्नगत संस्थाओं के निर्माण हेतु निर्धारित मानकानुसार उपयुक्त भूमि की निर्विवाद रूप से उपलब्धता सुनिश्चित होने के उपरान्त ही स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण किया जायेगा।

(2) चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जिला योजनाओं के जनपदवार/योजनावार परिव्यय निर्धारण के उपरान्त उपरोक्तानुसार स्वीकृत धनराशि को आवंटित परिव्यय में समायोजित कराते हुए यथावश्यकता सम्बन्धित जनपदों की जिला योजना समिति का कार्योत्तर अनुमोदन प्राप्त किये जाने का उत्तरदायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।

(3) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग द्वारा कार्यदायी संस्था को जो धनराशि अवमुक्त की जायेगी, वह कार्य की आवश्यकता के अनुसार होनी चाहिये। कार्यदायी संस्था को पूर्व में दी गयी धनराशि के 75 प्रतिशत का उपयोग करने के उपरान्त अगले छः माह के लिये पुनः आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित करके दी जाय।

(4) प्रश्नगत धनराशि की स्वीकृति किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है, जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और फाइनेन्शियल हैण्डबुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर बैंक/डाकघर में जमा नहीं किया जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

(7) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय निर्माण संबंधी संगत शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसार/निर्धारित मानकों के अधीन किया जायेगा।

(8) स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर यदि किसी ऐसे खाते में जमा किया जाता है जिस पर ब्याज अर्जित होता है, तो अर्जित ब्याज को निर्धारित लेखाशीर्ष में जमा कराने का दायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग का होगा।

(9) स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) स्वीकृत की जा रही धनराशि से कार्यदायी संस्था द्वारा लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्टयों एवं मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पादित कराया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हो तथा उसकी गुणवत्ता उत्कृष्ट कोटि की हो, इसकी पूर्ण जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(11) स्वीकृत की जा रही धनराशि का किसी अन्य मद/योजना/कार्यक्रम में व्यय अनुमन्य न होगा।

(12) स्वीकृत की जा रही धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों का समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण/अनुश्रवण कर कार्य की गुणवत्ता एवं कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो, यह

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

सुनिश्चित कराये जाने का उत्तरदायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।

(13) प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों आदि का क्रय सुसंगत क्रय नियमों के अधीन जेम पोर्टल के अन्तर्गत/माध्यम से किया जायेगा।

(14) कार्यदायी संस्था द्वारा आगणन में सुसंगत वित्तीय नियमानुसार अनुमोदित सीमा तक ही सेन्टेज चार्ज लिया जायेगा। आगणन में वर्णित 01 प्रतिशत लेबर सेस की कुल धनराशि इस शर्त के अधीन होगी कि उक्त धनराशि का भुगतान श्रम विभाग को किया जायेगा।

(15) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-6/2025/बी-1-352/दस-2025-231/2025, दिनांक-27.03.2025 एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 4,83,32,800 (रुपये चार करोड़ तिरासी लाख बत्तीस हजार आठ सौ मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 015 **लेखा शीर्षक** 4403001010800 पशु चिकित्सालयों का निर्माण-आर.आई.डी.एफ. (जिला योजना) **मानक मद** 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या–E-1-419-X-2025-26, दिनाँक-27.03.2026 में प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(रवीन्द्र प्रताप सिंह)
संयुक्त सचिव।

<u>पृ0सं0-85/2026/671(1)/सैंतीस-2-2026/001-1(35)/2014टीसी1, तददिनांक।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2- निदेशक (प्रशासन एवं विकास)/वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3- सम्बन्धित जिलाधिकारी/कोषाधिकारी/कार्यदायी संस्था।
4- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/नियोजन अनु0-3/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-2/गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(रवीन्द्र प्रताप सिंह)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।